राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

29 अप्रैल 2023: शनिवार: वर्ष– 04: अंक – 02

आलू बोला मुझको खालो

आज की कविता

आलू कहता है मुझे खाओ, टमाटर कहता है मुझे खाओ। लौकी, कद्दू, भिंडी और करेला सभी कहते हैं कि मुझे खाओ। हर कोई अपनी ताकत और फायदे बता रहा है। तुम क्या खाना चाहोगे? सुनते हैं इस मजेदार कविता में सब्जियां नाच गा के क्या बता रहीं हैं? कविता देखने -सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Satrang CG

हमला हुआ है

आज की कहानी

खरगोश जंगल में खेल रहा था कि अचानक एक तरफ से उस पर तीरों से हमला हो गया। वह घबरा कर इसकी शिकायत राजा से करने निकला। उसे हिप्पो, हाथी, जिराफ़ और ऊंट मिले लेकिन उनमें से कोई भी राजा नहीं था। अंत में भालू मिला पर राजा वह भी नहीं था; लेकिन उसके हाथ में तीर धनुष जरूर था। फिर क्या हुआ? पूरी कहानी देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

इठलाती गुठली

आज की किताब

फल और सब्जियों के अनेक फायदे गिनाए गिनाए जाते हैं । पर बीजों और गुठलियों का कोई जिक्र तक नहीं करता। ज्यादातर तो वे फेंक ही दिए जाते हैं। पर यह किताब हमें बताती है कि वो बड़े काम की चीज हैं। तो चलो पढ़ते हैं और देखते हैं कि ये किताब हमें क्या बता रही है। अलग अलग तरह के बीज इकट्ठे कर लो और मनचाही चीज़े बना लो। किताब पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvind Gupta

बोतल में गुब्बारा

आज की गतिविधि

गुब्बारा फुलाना वैसे तो बहुत आसान है । लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि गुब्बारे को बोतल के भीतर भी फुलाया जा सकता है और वह भी गुब्बारे में फूँक मारे बिना? आज हम एक ऐसे ही प्रयोग को देखेंगे और सीखेंगे। प्रयोग देखने और उसका आनंद उठाने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

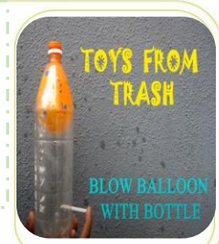

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

पर्यावरण शिक्षा

टीचर्स कॉर्नर

पर्यावरण की चिंता अब वैश्विक चिंता है। छोटे छोटे कदम बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। स्कूल इस चिंता को बच्चों तक पहुँचाने और सार्थक संवाद बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । पर्यावरण की सुरक्षा और संवर्धन को आदत में शामिल करके इस मूल्य को विकसित किया जा सकता है यह कह रही हैं शुचि दुबे। आइए पढ़ते है पूरा आलेख।

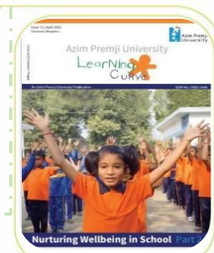

शिक्षकों के लिए। Learning Curve

बाल मेले में बच्चा

हमारा पुस्तकालय

बाल साहित्य को लेकर समाज, सरकार और स्कूलों का त्रिकोण नजरिया तमाम तरह की जटिलताएं ही पैदा करते हैं। ऐसे में एक पाठक के रूप में बच्चा असहाय सा खड़ा दिखता है। बाल मेले में बच्चों के लिए साहित्य चुनने के मामले में अभिभावकों की सोच और उनके व्यवहार के अनुभव को आधार बनाकर नवनीत कुछ गंभीर सवाल रख रहे हैं। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Navnit

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 157वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।